

Course: SEC HINDI  
हिंदी संभाषण कौशल

Semester: I	Credits: 2	Subject Code: ACSECCH12301	Lectures: 30
-------------	------------	-------------------------------	--------------

**Course Outcomes:**

At the end of this course, the learner will be able to:

- CO1 - संभाषण कौशल को विकसित कर व्यक्तित्व विकास को बढ़ाना।
- CO2 - संभाषण कला के विभिन्न रूपों से छात्रों को परिचित कराना।
- CO3 - संभाषण वाचन एवं सृजन क्षमता से भाषिक कौशल को आत्मसात करना।
- CO4 - संभाषण श्रवण कौशल के माध्यम से भाषिक ज्ञान को बढ़ाना।

**Unit1: संभाषण कौशल: स्वरूप एवं प्रकार**

7

- संभाषण का स्वरूप
- संभाषण के विभिन्न प्रकार – वार्तालाप, व्याख्यान, वादविवाद, समूह संवाद, एकालाप, अवाचिक अभिव्यक्ति, जन संबोधन
- Activity/Project/Field Work:
- Assignment: संभाषण के स्वरूप एवं प्रकारों को स्पष्ट कीजिये।

**Unit2: संभाषण कला के व्यावसायिक रूप**

8

- संभाषण कला के विभिन्न रूप – उद्घोषणा कला (अनाउंसमेंट), आँखों देखा हाल (कमेन्ट्री), संचालन (एंकरिंग), वाचन कला, समाचार वाचन (रेडिओ, टी.वी.), मंचीय वाचन (कविता, कहानी, व्यंग)
- Assignment: संभाषण कला के विभिन्न रूपों की जानकारी प्राप्त कीजिये।

**Unit 3: संभाषण वाचन और सृजन कौशल**

7

- संवाद कौशल – पारिवारिक, सामाजिक, व्यावसायिक
- रंगमंचीय संवाद – एकांकी एवं नाटक के संवाद
- Assignment: पारिवारिक या सामाजिक विषयों के संवाद तैयार कीजिये।

**Unit4: संभाषण- श्रवण कौशल**

8

- चलचित्र के संवाद
- विज्ञापन के संवाद
- Assignment: चलचित्र या विज्ञापनों के संवादों का संकलन कर उसके विभिन्न आयामों को स्पष्ट कीजिये।




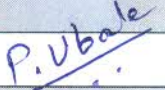



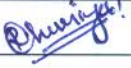
Board of Studies	Department	Name	Signature
Chairperson (HoD)	Hindi	Shital Jadhav	

**Recommended Text Books:**

- बोलचाल की हिंदी – डॉ. मधु धवन, (2007), परंपरा पब्लिकेशन, सी 5/एस 2, ईस्ट ज्योति नगर, दुर्गापुरी चौक, शाहदरा, नई दिल्ली - 110093

**Reference Books:**

- ओम प्रकाश सिंह (2004), संचार और पत्रकारिता के विविध आयाम, क्लासिकल पब्लिशिंग कंपनी, नई दिल्ली.
- (सं) धर्मपाल मैनी (2005), मानवमूल्य-परक शब्दावली का विश्वकोश, खंड 5, सरूप एंड संज, नई दिल्ली.
- पुष्पेन्द्र कुमार आर्य (2006), मीडिया में कैरियर
- विष्णु राजगढ़िया (2008), जनसंचार : सिद्धांत और अनुप्रयोग, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
- व्यावहारिक हिंदी व्याकरण भाषाज्ञान और रचना, लेखक डॉ. राघव प्रकाश, (2005), शिव प्रकाशन, चौड़ारास्ता, जयपुर – 302003
- मानक हिंदी व्याकरण, पृथ्वीनाथ पाण्डेय, द्वितीय संस्करण (2003), जय भारती प्रकाशन, 267-बी माया प्रेस रोड, मुट्टीगंज, इलाहाबाद

Board of Studies	Name	Signature	
Chairperson (HoD)	Shital Jadhav		
VC Nominee (SPPU)	Dr. Prerana Ubale		
Subject Expert (Outside SPPU)	Dr. Chandrakant Misal		
Subject Expert (Outside SPPU)	Dr. Shivdatta Wavalkar		
Industry Expert	Dr. Prashant Prasad Gupta		
Alumni	Pratima Dhuriya		



Board of Studies	Department	Name	Signature
Chairperson (HoD)	Hindi	Shital Jadhav	